संजीव®

10 अक्टूबर, 2022 को जारी
विज्ञप्ति के पाठ्यक्रम के अनुसार

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित

राजस्थान समान पात्रता परीक्षा

CET - 2022

सीनियर सैकण्डरी स्तर

राजस्थान सामान्य ज्ञान

Part - A : राजस्थान का इतिहास, कला, सांस्कृतिक, साहित्य, परंपरा और विरासत
Part - B : राजस्थान का भूगोल
Part - C : राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था
Part - D : राजस्थान की अर्थव्यवस्था

मार्गदर्शक एवं लेखक

मनोहर सिंह कोटड़ा
R.A.S. - 2012 एवं R.A.S. - 2013 में चयनित

•

दीपा रत्नू
विशेषज्ञ - राजस्थान सामान्य ज्ञान

विशेष आभार

डॉ. दीपेश कुमार सैनी, जी.सी. जाखड़, प्रभात वालिया, कृष्ण कुमार वशिष्ट, राजेश मिश्रा, राजकुमार साधवानी, अर्जुन देवासी, पवन चांदराना, मनोज शर्मा, योगेश मित्तल, संजय सिंह, सोमनाथ, महेन्द्र सिंह राठौड़, दिग्वजय सिंह, लक्षिता कंवर, विक्रम रजवाणियाँ, मुकेश सैनी

संजीव प्रकाशन, जयपुर

- **प्रकाशक :**
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट,
  चौड़ा रास्ता, जयपुर-03
  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- **© दीपा रत्नू**

- **संस्करण : 2022-23**

- **मूल्य : ₹ 700.00**

- *लेजर टाइपसैटिंग :*
  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department),
  जयपुर

- *मुद्रक :*
  आधुनिक बुक बाईन्डर, जयपुर

– सादर समर्पण –

भक्तकवि
ठाकुर नैनदान वणसूर
(1926-1997 ई.)

भक्तकवि ठा. नैनदान वणसूर का जन्म 1926 ई. में तत्कालीन मारवाड़ रियासत के जालौर परगने के कोटड़ा ठिकाणे (तहसील–आहोर) में हुआ। यह गाँव उनके पूर्वज मोतीसरी ठिकाणे के ठा. लक्ष्मीदान वणसूर को मारवाड़ के महाराजा गजसिंह (1619-1638 ई.) के शासनकाल में दक्षिण अभियान के तहत अहमदनगर की लड़ाई में सेना के अग्रिम दस्ते (हरावळ) में अद्‌भुत शौर्य एवं वीरता प्रदर्शित करने के उपरान्त जागीर में मिला।

आप भारतीय इतिहास, धर्मशास्त्रों (विशेषकर रामचरित मानस), राजस्थानी भाषा-साहित्य एवं लोक साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान थे। 20वीं सदी के राजस्थानी डिंगल कवियों में आपका विशिष्ट स्थान है। आपकी भक्तिपरक रचनाओं के प्रमुख विषय लोक देवियाँ, लोकसंत, सनातन धर्म एवं नाथ सम्प्रदाय रहे हैं। जालौर स्थित सिरे मंदिर के पूज्य शांतिनाथजी महाराज (1939-2012 ई.) के प्रति आपकी विशेष आस्था रही है। पूज्य महाराजजी भी आपका बहुत आदर एवं सम्मान करते थे। आपकी प्रमुख रचनाएँ करणाइष्टक, नाथ-स्तुति, जगन रो गीत, राजाराम वंदन इत्यादि हैं।

- इस पुस्तक में प्रामाणिक स्रोतों से विषय सामग्री का संकलन किया गया है, साथ ही इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं–
  email:sanjeevcompetition@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीक या तरीके–इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से लेखक एवं प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।
- हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं। ध्यान रखें कि आप उक्त शर्तें मानते हुए ही यह पुस्तक खरीद रहे हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्याय क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

राजस्थान CET (सीनियर सैकण्डरी स्तर) : राजस्थान सामान्य ज्ञान - मनोहर सिंह कोटड़ा, दीपा रत्नू

प्राक्कथन

प्रिय प्रतियोगी परीक्षार्थियों,

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा **प्रथम बार** आयोजित की जाने वाली '**राजस्थान समान पात्रता परीक्षा - सीनियर सैकण्डरी स्तर**' (CET : Common Eligibility Test - Senior Secondary Level) - **2022-23** के लिए सभी अभ्यर्थियों को अग्रिम शुभकामनाएँ।

इस परीक्षा का आयोजन **राजस्थान सरकार** के विभिन्न **विभागों** में **वनपाल** (वन विभाग), **छात्रावास अधीक्षक** (अल्पसंख्यक विभाग), **लिपिक ग्रेड-II** (राजस्थान शासन सचिवालय), **कनिष्ठ सहायक** (अधीनस्थ कार्यालय), **लिपिक ग्रेड-II** (राजस्थान लोक सेवा आयोग), **जमादार ग्रेड-II** (आबकारी विभाग) एवं **कॉन्स्टेबल** (राजस्थान पुलिस) की भर्ती के लिए **पात्रता या प्रारंभिक परीक्षा** के रूप में किया जा रहा है।

प्रस्तुत पुस्तक में **राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर** द्वारा दिनांक **10 अक्टूबर, 2022** को जारी उक्त परीक्षा की विज्ञप्ति में दिए गए पाठ्यक्रम में सम्मिलित '**राजस्थान सामान्य ज्ञान**' के अन्तर्गत **राजस्थान के इतिहास, कला, सांस्कृतिक, साहित्य, परंपरा, विरासत, भूगोल, राजनीतिक व प्रशासनिक व्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था** विषयों के समस्त अध्यायों की **प्रामाणिक एवं अद्यतन (Updated) विषय सामग्री** क्रमवार दी गयी है।

प्रस्तुत पुस्तक में **बिंदुवार विषय सामग्री** एवं **खण्डवार महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरों** का समावेश किया गया है। इस हेतु विषयवस्तु का संकलन **राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों के वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन 2021-22, राजस्थान की आर्थिक समीक्षा 2021-22, राजस्थान के बजट 2022-23, राजस्थान के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में प्रचलित मानक पुस्तकों, भारत सरकार द्वारा जारी विविध प्रतिवेदनों, विभिन्न विभागों की आधिकारिक वेबसाइट** इत्यादि से प्राप्त करके **सरल, सुगम एवं सारगर्भित भाषा** में लिखकर तैयार किया गया है।

इस पुस्तक को **पूर्णतः पाठ्यक्रमानुसार** तैयार करने के लिए राजस्थान के ख्यातनाम लेखक **मनोहर सिंह कोटड़ा** एवं संजीव प्रकाशन, जयपुर के प्रबंध निदेशक **डॉ. दीपेश कुमार सैनी** एवं उनकी पूरी टीम के हम विशेष रूप से आभारी हैं।

सुधी पाठकों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

– संकलनकर्ता एवं संपादन टीम

राजस्थान CET (सीनियर सैकण्डरी स्तर) : राजस्थान सामान्य ज्ञान - मनोहर सिंह कोटड़ा, दीपा रत्नू

प्राक्कथन

प्रिय प्रतियोगी परीक्षार्थियों,

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा **प्रथम बार** आयोजित की जाने वाली **'राजस्थान समान पात्रता परीक्षा - सीनियर सैकण्डरी स्तर'** (CET : Common Eligibility Test - Senior Secondary Level) - **2022-23** के लिए सभी अभ्यर्थियों को अग्रिम शुभकामनाएँ।

इस परीक्षा का आयोजन **राजस्थान सरकार** के विभिन्न **विभागों** में **वनपाल** (वन विभाग), **छात्रावास अधीक्षक** (अल्पसंख्यक विभाग), **लिपिक ग्रेड-II** (राजस्थान शासन सचिवालय), **कनिष्ठ सहायक** (अधीनस्थ कार्यालय), **लिपिक ग्रेड-II** (राजस्थान लोक सेवा आयोग), **जमादार ग्रेड-II** (आबकारी विभाग) एवं **कॉन्स्टेबल** (राजस्थान पुलिस) की भर्ती के लिए **पात्रता या प्रारंभिक परीक्षा** के रूप में किया जा रहा है।

प्रस्तुत पुस्तक में **राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर** द्वारा दिनांक **10 अक्टूबर, 2022** को जारी उक्त परीक्षा की विज्ञप्ति में दिए गए पाठ्यक्रम में सम्मिलित **'राजस्थान सामान्य ज्ञान'** के अन्तर्गत **राजस्थान के इतिहास, कला, सांस्कृतिक, साहित्य, परंपरा, विरासत, भूगोल, राजनीतिक व प्रशासनिक व्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था** विषयों के समस्त अध्यायों की **प्रामाणिक एवं अद्यतन (Updated) विषय सामग्री** क्रमवार दी गयी है।

प्रस्तुत पुस्तक में **बिंदुवार विषय सामग्री** एवं **खण्डवार महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरों** का समावेश किया गया है। इस हेतु विषयवस्तु का संकलन **राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों के वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन 2021-22, राजस्थान की आर्थिक समीक्षा 2021-22, राजस्थान के बजट 2022-23, राजस्थान के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में प्रचलित मानक पुस्तकों, भारत सरकार द्वारा जारी विविध प्रतिवेदनों, विभिन्न विभागों की आधिकारिक वेबसाइट** इत्यादि से प्राप्त करके **सरल, सुगम एवं सारगर्भित भाषा** में लिखकर तैयार किया गया है।

इस पुस्तक को **पूर्णतः पाठ्यक्रमानुसार** तैयार करने के लिए राजस्थान के ख्यातनाम लेखक **मनोहर सिंह कोटड़ा** एवं संजीव प्रकाशन, जयपुर के प्रबंध निदेशक **डॉ. दीपेश कुमार सैनी** एवं उनकी पूरी टीम के हम विशेष रूप से आभारी हैं।

सुधी पाठकों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

– संकलनकर्ता एवं संपादन टीम

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
Part A : राजस्थान का इतिहास, कला, सांस्कृतिक, साहित्य, परंपरा और विरासत		
1.	राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ : कालीबंगा, आहड़, गणेश्वर, बालाथल एवं बैराठ	**7 - 19**
2.	राजस्थान के इतिहास की महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ : प्रमुख राजवंश, उनकी प्रशासनिक व राजस्व व्यवस्था, सामाजिक-सांस्कृतिक आयाम	**20 - 65**
3.	राजस्थान में स्थापत्य कला की प्रमुख विशेषताएँ : किले एवं स्मारक	**66 - 105**
4.	राजस्थान की कलाएँ : चित्रकलाएँ एवं हस्तशिल्प	**106 -125**
5.	राजस्थान में स्वतंत्रता आंदोलन	**126 - 133**
6.	राजस्थान में राजनीतिक जनजागरण एवं प्रजामण्डल आंदोलन	**134 - 142**
7.	राजस्थान का एकीकरण	**143 - 144**
8.	राजस्थान की लोक भाषाएँ (बोलियाँ) एवं साहित्य	**145 - 163**
9.	राजस्थान में लोकसंगीत एवं लोकनृत्य	**164 - 180**
10.	राजस्थान के संत, कवि, योद्धा, लोकदेवता एवं लोकदेवियाँ	**181 - 208**
11.	राजस्थान में मेले एवं त्योहार	**209 - 217**
12.	राजस्थान के रीति-रिवाज, वेशभूषा एवं आभूषण	**218 - 229**
★	महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	**230 - 263**
Part B : राजस्थान का भूगोल		
1.	राजस्थान का सामान्य परिचय एवं प्रमुख भौतिक स्वरूप	**264 - 289**
2.	राजस्थान की जलवायु दशाएँ	**290 - 294**

3.	राजस्थान में प्राकृतिक वनस्पति एवं वन संपदा	**295 - 301**
4.	राजस्थान में मृदाएँ (मिट्टियाँ)	**302 - 304**
5.	राजस्थान में नदियाँ, बाँध एवं झीलें	**305 - 322**
6.	राजस्थान के प्राकृतिक संसाधन, खनिज संपदा, राजस्थान की वन संपदा (★ राजस्थान की वन संपदा हेतु इसी पुस्तक का अध्याय क्रमांक **B-3** देखें)	**323 - 331**
7.	राजस्थान में जल संसाधन एवं प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ	**332 - 344**
8.	राजस्थान में पशु संपदा	**345 - 355**
9.	राजस्थान में वन्यजीव, अभयारण्य एवं संरक्षण	**356 - 362**
10.	राजस्थान में जनसंख्या : वृद्धि, घनत्व, साक्षरता एवं लिंगानुपात	**363 - 374**
11.	राजस्थान की प्रमुख जनजातियाँ	**375 - 392**
12.	राजस्थान में पर्यटन	**393 - 418**
★	महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	**419 - 441**

Part C : राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

1.	राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था : राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य का मुख्य सचिव, राज्य विधानसभा, राजस्थान उच्च न्यायालय	**442 - 465**
2.	प्रमुख राज्य स्तरीय आयोग : राजस्थान लोक सेवा आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य सूचना आयोग एवं राज्य मानवाधिकार आयोग	**466 - 482**
3.	जिला प्रशासन	**483 - 488**
4.	राजस्थान में स्थानीय स्व-शासन एवं पंचायती राज, पंचायती राज संस्थाओं की ग्रामीण विकास में भूमिका	**489 - 499**
★	महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	**500 - 505**

Part D : राजस्थान की अर्थव्यवस्था

1.	राजस्थान में कृषि एवं आर्थिक विकास : राजस्थान की प्रमुख फसलें	**506 - 517**
2.	राजस्थान का ऑद्योगिक विकास : राजस्थान के प्रमुख उद्योग एवं औद्योगिक क्षेत्र, लघु कुटीर, ग्रामोद्योग, कृषि आधारित उद्योग, औद्यागिक विकास हेतु संस्थाएँ, लघु उद्यम एवं वित्तीय संस्थाएँ	**518 - 545**
★	राजस्थान की प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ - इसी पुस्तक का अध्याय क्रमांक **B-7** देखें	
3.	राजस्थान में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएँ/कार्यक्रम, महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, मरुभूमि के विकास संबंधी परियोजनाएँ	**546 - 570**
★	हस्तशिल्प उद्योग - इसी पुस्तक का अध्याय क्रमांक **A-4** देखें	
4.	गरीबी एवं बेरोजगारी	**571 - 574**
5.	राजस्थान में सूखा एवं अकाल	**575 - 576**
6.	राजस्थान में ऊर्जा के विभिन्न स्रोत : जल विद्युत, तापीय, अणु, पवन एवं सौर ऊर्जा	**577 - 583**
★	महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	**584 - 592**

□□□

Part - A : राजस्थान का इतिहास, कला, सांस्कृतिक, साहित्य, परंपरा और विरासत

1 राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ : कालीबंगा, आहड़, गणेश्वर, बालाथल और बैराठ

- राजस्थान में वृहद स्तर पर **पुरातात्विक सर्वे** का कार्य सर्वप्रथम **1871 ई.** में **ए.सी.एल. कार्माइस** के निर्देशन में प्रारम्भ किया गया।

राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ एवं पुरास्थल

क्र.सं.	सभ्यता का नाम	स्थान/जिला	विशेष विवरण
1.	**कालीबंगा** (कांस्ययुगीन)	हनुमानगढ़	★ **खोज–श्री अमलानंद घोष** (1952) ★ **उत्खनन–श्री बी.बी. लाल व बी.के. थापर** (1961-62) ★ प्राचीन सरस्वती **(वर्तमान घग्घर)** नदी के किनारे बसी राजस्थान की सबसे प्राचीन सभ्यता। ★ यहाँ नगर नियोजन में **दो टीले** प्राप्त हुए हैं जिनमें पूर्वी नगर तथा पश्चिमी दुर्ग के अवशेष हैं तथा दोनों सुरक्षा प्राचीर से घिरे हैं। ★ यहाँ से **त्रिस्तरीय सभ्यता** (**प्राक् हड़प्पा, हड़प्पा** तथा **उत्तर हड़प्पा**) के अवशेष मिले हैं। ★ उत्खनन में छोटे टीले से **पूर्व हड़प्पाकालीन सभ्यता** (2400 ई.पू.) तथा दूसरे टीले से हड़प्पाकालीन सभ्यता के अवशेष मिले। ★ प्राप्त अवशेष–**जुता हुआ खेत** (जुते हुए खेत का प्रमाण परकोटे के बाहर मिला है, दुतरफा जुताई के कारण यह एक वर्ग जालक (Grid Pattern) के रूप में है), एक साथ दो फसल उगाना। ★ **स्वरूप : नगरीय सभ्यता।** ★ कालीबंगा का शाब्दिक अर्थ **'काली चूड़ियाँ'**। ★ यहाँ से **लकड़ी की नालियाँ** (जल निकासी प्रणाली का अभाव), धूप में पकी कच्ची ईंटों का प्रयोग, **अग्निवेदियाँ** (7), तीन समाधियाँ, बेलनाकार तंदूर, फर्श निर्माण में अलंकृत ईंटों का प्रयोग, शतरंज एवं चौसर की गोटियाँ, मिट्टी के खिलौने प्राप्त हुए हैं। ★ दशरथ शर्मा ने इसे **सिन्धु घाटी या हड़प्पा की तीसरी राजधानी** कहा है। ★ कालीबंगा से **भूकम्प** आने के प्राचीन साक्ष्य मिले हैं किन्तु सभ्यता का ह्रास **नदी मार्ग में परिवर्तन** के कारण हुआ। ★ भारत सरकार ने इस सभ्यता स्थल पर **1961** में **90 पैसे का डाक टिकट** जारी किया। ★ हनुमानगढ़ जिले में कालीबंगा संग्रहालय की स्थापना–1985-86.
2.	**आहड़** (ताम्रयुगीन)	उदयपुर	★ **खोज–श्री अक्षय कीर्ति व्यास** (1953) ★ **उत्खनन–श्री आर.सी. अग्रवाल** व **एच.एम. साँकलिया।** ★ आहड़ (बेड़च) नदी के किनारे स्थित ताँबे की वस्तुएँ बनाने व काले–पीले मृद्भाण्ड संस्कृति का प्रमुख केन्द्र। ★ उत्खनन में **छः ताँबे की मुद्राएँ** एवं **तीन मुहरें** प्राप्त हुईं। ★ **अन्य नाम–ताम्रवती नगरी, आघाटपुर** (आहाट दुर्ग), **धूलकोट** (स्थानीय लोग) ★ **छः ताँबे की मुद्राएँ और मोहर** प्राप्त हुई। एक मुद्रा पर एक ओर एक त्रिशूल और दूसरी ओर अपोलो अंकित है जिसके हाथ में तीर और पीछे तरकश है, मुख पर **यूनानी भाषा में लेख** अंकित है।